भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : *256

29 अगस्त, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

असम में उत्पादित रेशम

***256. श्री भुवनेश्वर कालिता:**

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान असम में कितनी-कितनी मात्रा में विभिन्न प्रकार के रेशम का उत्पादन किया गया है;

(ख) क्या असम में मुगा प्रजाति के कीटों के पालन और मुगा अण्डों की वृहद संभावना वाले कामरूप और गोआलपाड़ा जिलों को केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा छोड़ दिया गया है; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा कामरूप और गोआलपाड़ा जिलों में मुगा उत्पादन बढ़ाने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों और विभिन्न योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री (श्री आनंद शर्मा)

(क) से (ग): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

<u>दिनांक 29.08.2012 के तारांकित प्रश्न सं. *256 के भाग (क) से (ग) तक के उत्तर में उल्लिखित विवरण</u>

(क): विगत तीन वर्षों के दौरान असम में उत्पादित किस्म-वार रेशम की मात्रा (2009-10 से 2011-12 तक) इस प्रकार है :-

(मी. टन)

किस्म	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**
शहतूती	16	18	16.75
ईरी	1410	1714	1976
मूगा	93	117	118.76
कुल	**1519**	**1849**	**2111.51**

(ख): जी नहीं । असम में रेशम उद्योग के विकास क लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) ने विशेष रूप से उस राज्य में मूगा और ईरी रेशम उद्योग के विकास के लिए असम में निम्नलिखित इकाईयां स्थापित की हैं । ये इकाईयां कामरूप और गोआलपाड़ा जिलों में रेशम उद्योग के स्टेकहोल्डरों को सहायता प्रदान करती हैं ।

(1) क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी : असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में राज्य और अन्य एजेन्सियों के साथ रेशम उत्पादन विकास कार्यकलापों का समन्वय करना ।

(2) क्षेत्रीय मूगा अनुसंधान केन्द्र, बोको : मूगा रेशम उत्पादन के लिए अनुसंधान एवं विकास तथा प्रसार सहायता प्रदान करना ।

(3) मूगा रेशम कीट बीज संगठन, गुवाहाटी : यहां कालीबाड़ी में एक मूगा रेशम कीट बीज उत्पादन केन्द्र और हाहिम (दोनों कामरूप जिले में) में एक पी 3 इकाई का नेटवर्क है । यह गुणवत्ता रेशम कीट बीज उत्पादन के लिए असम सरकार और निजी ग्रेन्यूअर द्वारा और आगे गुणन के लिए मूगा बेसिक बीज का उत्पादन और आपूर्ति करता है।

(4) गुणवत्ता ईरी रेशम कीट बीज का उत्पादन करने के लिए अजरा, कामरूप जिला में एक ईरी रेशमकीट बीज उत्पादन केन्द्र भी कार्य कर रहा है ।

(5) क्षेत्रीय रेशम प्रौद्योगिकीय अनुसंधान केन्द्र, खानापाड़ा, गुवाहाटी: कोया पश्चात कार्यकलापों में अपेक्षित अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान करने हेतु ।

(ग): असम में रेशम उत्पादन कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए सीएसबी राज्य रेशम उत्पादन विभाग के सहयोग से " उत्प्रेरक विकास कार्यक्रम (सीडीपी) " नामक केन्द्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है । इस योजना के अधीन, रेशम उद्योग के स्टेकहोल्डरों की उनके संबंधित रेशम उत्पादन विभाग के माध्यम से सहायता करने के लिए असम सरकार को वित्तीय सहायता दी जाती है । सीडीपी, इन क्षेत्रों के लिए अनुसंधान संस्थानों द्वारा तैयार की गई प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए एक अद्वितीय और कारगर साधन है । सीडीपी योजना के अंतर्गत घटकों में होस्ट प्लांटेशन का विकास और विस्तार, फार्म और कोया पश्चात अवसंरचना का विकास, रेशम में रोलिंग और प्रोसेसिंग प्रौद्योगिकी

का उन्नयन, उद्यम विकास कार्यक्रम, विस्तार एवं प्रसार आदि की परिकल्पना की गई है । सीडीपी के इन घटकों ने रेशम क्षेत्र के अंतर्गत पर्याप्त रोजगार का सृजन किया है । रेशम उत्पादन कार्यकलापों के लिए असम राज्य की आवश्यकता के अनुसार 11वीं योजना अवधि के अंतिम तीन वर्षों के दौरान इस सीडीपी योजना के अंतर्गत सीएसबी द्वारा जारी/व्यय की गई राशि का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

(लाख रु.)

वर्ष	सीडीपी के अंतर्गत असम को (बीटीसी सहित) प्रदान की गई कुल वित्तीय सहायता	मूगा क्षेत्र को प्रदान की गई वित्तीय सहायता
2009-10	1,615.58	268.30
2010-11	3,053.55	957.81
2011-12	3,168.00	582.71

यह सहायता मुख्यत: मूगा और ईरी रेशम के विकास के लिए कामरूप और गोआलपाड़ा जिलों सहित पूरे असम राज्य को प्रदान की गई है ।